सीमा जागरण मंच

सुरक्षा • समन्वय • विकास

दिल्ली

सुरक्षित सीमा - समर्थ भारत

मंथन 2024

सहयोगी संस्था

AMRITA VISHWA VIDYAPEETHAM

DEEMED TO BE UNIVERSITY

श्रद्धावान् लभते ज्ञानम्

मंथन 2024

सीमा जागरण मंच

का एक अभियान

दिनांक: 23 जून 2024
समय: प्रातः 09:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक
स्थान: द पार्क होटल, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली, 110001

भारत के सीमावर्ती गाँवों के समग्र विकास के लिए एक सामूहिक प्रयास

सीमा जागरण मंच - एक परिचय

सीमा जागरण मंच देश की कुल स्थलीय सीमा 15,200 किलोमीटर एवं समुद्री तटीय सीमा 7,516.6 किलोमीटर के सभी सीमावर्ती गांवों के नागरिकों को सीमा सुरक्षा, विकास के प्रति जाग्रत, देशभक्त, कर्तव्यनिष्ठ एवं संगठित करने के लिए कृतसंकल्प है। मंच का मानना है कि बिना सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के यह कार्य अधूरा है। इस दिशा में सीमा जागरण मंच वर्ष 1985 से कार्यरत है। देश के सभी सीमान्त प्रदेशों में यह मंच अपने कार्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए अनेक गतिविधियां करता है। उसमें से 'मंथन' कार्यक्रम एक अभिनव प्रयास है।

'मंथन' एक नवीन अभिनव संकल्पना

सीमा जागरण मंच का जीवंत विमर्श कार्यक्रम है - 'मंथन-2024'। वस्तुतः 'मंथन' एक अभियान है, सीमावर्ती गांवों के नव विहान का। इसके माध्यम से गैर सरकारी और अर्द्धसरकारी संगठनों के साथ मिलकर सीमा जागरण मंच एक नवोन्मेषी राष्ट्रव्यापी प्रयास करता है। यह सभी संस्थाओं को सीमा के प्रथम गांवों के विकास के लिए एक मंच प्रदान करता है। हम सब जानते हैं कि देश की परिधि पर खड़ी चुनौतियों, वो चाहे गांवों के विकास की हों या समाज में सुधारात्मक विषय की, इनको परास्त करने के अचूक उपाय है- सीमाओं पर स्थित गांवों-समुदायों का सशक्तिकरण ; अर्थात् आधारभूत ढांचे से लेकर नागरिकों के आत्मबल तक को सबल बनाना। ध्यातव्य है- सबल-सक्षम सीमान्त गांव ही, देश का सुरक्षा-कवच बन सकते हैं।

अमृता विश्व विद्यापीठम - एक परिचय

अमृता विश्व विद्यापीठम इसकी कुलाधिपति, श्री माता अमृतानंदमयी देवी (AMMA), जो एक प्रसिद्ध मानवतावादी नेता हैं, की दूरदृष्टि का प्रमाण है। उनकी बुद्धिमत्ता और मार्गदर्शन से प्रेरित होकर, विश्वविद्यालय आठ परिसरों के साथ एक जीवंत संस्थान के रूप में विकसित हुआ है । यहाँ इंजीनियरिंग, प्रबंधन, चिकित्सा विज्ञान, जीवन विज्ञान, कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान सहित शैक्षणिक कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला है। 15 से अधिक स्कूलों, 250 शैक्षणिक कार्यक्रमों, 1700+ संकाय सदस्यों और 24000+ छात्रों के साथ, विद्यापीठम वर्तमान समय की महत्वपूर्ण वैज्ञानिक और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए समर्पित हैं। अपनी स्थापना के बाद से बहुत कम समय में, अमृता विश्व विद्यापीठम ने भारत में उच्च शिक्षा और अनुसंधान में एक विशिष्ट स्थान अर्जित किया है। विद्यापीठम का मिशन "जीवन जीने के लिए शिक्षा एवं जीवन के लिए शिक्षा" और "करुणा से प्रेरित अनुसंधान" के आदर्शों के इर्द-गिर्द घूमता है। यह मिशन पाठ्यक्रम और अनुसंधान प्रयासों के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों के लिए किफायती समाधान खोजने के लिए प्रेरित करता है। अमृता विश्व विद्यापीठम सीएसआर के लिए कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य करने के लिए पात्र है।

- अमृता विश्व विद्यापीठम राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा उच्चतम ग्रेड A++ से मान्यता प्राप्त है।
- राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) रैंकिंग में भारत में 7वें सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया।
- 20 वर्षों की छोटी सी अवधि में विश्व-रैंक वाले विश्वविद्यालयों के साथ 230 से अधिक सहयोग-समझौते किए गए हैं।
- एक स्थायी भविष्य के लिए दुनिया भर के विश्वविद्यालयों को उनके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव के लिए मान्यता देने की एक अग्रणी पहल, द यूनिवर्सिटी इम्पैक्ट रैंकिंग 2023 में, अमृता को दुनिया में 52वाँ स्थान दिया गया है, जिससे अमृता इस रैंक को प्राप्त करने वाला भारत का शीर्ष विश्वविद्यालय बन गया है। यह रैंकिंग संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्यों (SDG) की दिशा में विश्वविद्यालयों की प्रगति का आकलन करने वाला एकमात्र वैश्विक संकेतक है।

इस प्रकार, अमृता भारत में उच्च शिक्षा के सबसे तेजी से बढ़ते संस्थानों में से एक के रूप में उभर रहा है। वैश्विक नेतृत्व और प्रभाव के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारे चांसलर की भूमिका से स्पष्ट होती है, जो G20 के लिए भारत सरकार द्वारा नियुक्त C20 (सिविल 20) जुड़ाव समूह के अध्यक्ष रहे हैं। यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी वैश्विक स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन लाने, वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए विविध हितधारकों के बीच संवाद और सहयोग को सुविधाजनक बनाने तथा अधिक समावेशी और समतापूर्ण विश्व को बढ़ावा देने के लिए संस्था की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

उद्देश्य एवं कार्यक्षेत्र

समग्र ग्राम विकास की हमारी परिकल्पना है, जिसमें स्वावलम्बी एवं जीवंत गांव के रूप में खड़े करना तथा सीमावर्ती गांव के पलायन को रोकने के साथ - साथ ग्राम वापसी के भाव का वातावरण बनाना।

• **शिक्षा:** नैतिक स्वरोजगार युक्त शिक्षा को प्रोत्साहित करना।
• **स्वास्थ्य:** मानव से मवेशी तक के लिए समाज व सरकार के सहयोग से गाँवों में आधुनिक चिकित्सा तंत्र को विकसित करना।
• **स्वावलम्बन एवं रोजगार:** स्थानीय पारम्परिक जीविकोपार्जन व्यवसाय और उद्योग धंधों को प्रतिष्ठा प्रोत्साहन देकर, लोकल उत्पादन को वोकल करना।
• **पर्यावरण:** पेड़ लगाना, पानी बचाना एवं प्लास्टिक हटाना।
• **सामूहिक सामाजिक ग्राम उपयोगी गतिविधियां:** योजना बनाना जैसे स्वच्छ गांव-सुरक्षित गाँव, जीवंत जल स्रोत, जंगल एवं चारागाह संरक्षण, गौ-संरक्षण, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत को बढ़ाना, श्रद्धा केंद्रों को व्यवस्थित और प्रेरक बनाना, पुस्तकालय एवं संग्रहालय का विकास, सामाजिक एकात्मता के लिए कार्य कराना, आदर्श डिजिटल व्यवहार एवं आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण।

कार्यपद्धति

- **गाँव का चयन:** गाँव के चयन के पश्चात वहाँ मंथन कार्य को क्रियान्वयन करने वाली टीम बनाकर उनको प्रशिक्षण देना।
- **संस्था की पहचान:** संस्था की पहचान कर, उसमें निर्णय लेने वाले पदाधिकारियों से सम्पर्क-संवाद स्थापित करना।
- **योजना:** इस योजना में सहभागिता के लिए संस्थाओं से सहयोग, सम्बन्ध- समन्वय बनाना एवं एक कार्य करने वाली साझा टीम बनाना।
- **ग्राम सर्वेक्षण:** जमीनी सामाजिक, आधारभूत सुविधाओं एवं संसाधनों की जानकारी का अध्ययन करना।
- **विकास योजना:** सर्वेक्षण के आधार पर गांव में विकास कार्य की योजना निश्चित करना।
- **क्रियान्वयन:** कार्य योजना क्रियान्वयन के लिए आवश्यक संसाधनों के साथ जमीन पर कार्य प्रारम्भ करना।
- **मूल्यांकन:** वर्तमान में जो कार्य चल रहे हैं उनकी समीक्षा, मूल्यांकन करना और तद्नुसार उसमें आवश्यक संशोधन करना।

संरक्षक मंडल	**श्री सुख राम मीणा,** आईएएस, महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ, भारत सरकार **लेफ़्टिनेंट जनरल राजीव चौधरी,** (रि.), पूर्व महानिदेशक, सीमा सड़क संगठन **श्री संग्राम सिंह,** अंतर्राष्ट्रीय भारतीय पहलवान और प्रेरक वक्ता
स्वागत समिति	**अध्यक्ष: डॉ. निर्मल गहलोत,** संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्कर्ष क्लासेज एंड एज्युटेक प्रा.लि., जोधपुर, राजस्थान **सचिव: डॉ. पवन गुप्ता,** सीनियर निदेशक, मैक्स इंस्टिट्यूट ऑफ़ कैंसर केयर, वैशाली **सदस्य:** **कर्नल अजय कोठियाल,** (रि.), संस्थापक, यूथ फ़ाउंडेशन, उत्तराखंड **श्री संजय अग्रवाल,** उप-महानिदेशक, आपदा प्रबंधन, संचार मंत्रालय, भारत सरकार **श्री मनोज कुमार पाण्डेय,** निदेशक ओएसडी, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार **श्री शिवेंद्र तोमर,** पूर्व एमडी, आईआईएफसीएल **श्री शंकर गोयनका,** प्रेरक वक्ता

आयोजन समिति	**समन्वयक: डॉ. अमित कुमार अग्रवाल,** आईसीएआई **सह-समन्वयक: डॉ. सौहार्द सिंह,** आईओसीएल **सचिव: श्री सौरभ गुप्ता,** प्रबंध निदेशक, लक्ष्मी पब्लिकेशन, प्रा.लि. **सदस्य:** **श्री रमेश जोशी,** प्रतिष्ठित रियल एस्टेट व्यवसायी **अधिवक्ता रितु रस्तोगी**, सर्वोच्च न्यायालय **श्री रोहित भारद्वाज,** संस्थापक, नमो टेक्स्टायल **श्री नचिकेत जोशी,** लेखक और अध्यक्ष, खद्दरग्राम इंटरनेशनल
प्रदेश कार्यकारिणी सीमा जागरण मंच	**अध्यक्ष: लेफ़्टिनेंट जनरल नितिन कोहली**, (रि.),भारतीय सेना **महामंत्री: डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,** सहायक प्राध्यापक, जे.एन.यू **कोषाध्यक्ष: डॉ.आलोक अग्रवाल,** सर्वे ऑफ़ इंडिया, भारत सरकार **सेवा प्रमुख: डॉ.(सीए) विजय कुमार चौधरी,** एनबीसीसी **सह- सेवा प्रमुख : डॉ. बी एस जौहरी,** होम्योपैथी चिकित्सक **सदस्य: श्री रविंद्र अग्रवाल,** प्रतिष्ठित व्यवसायी

रजिस्टर करने के लिए, बारकोड स्कैन करें या **Click Here**

सम्पर्क

श्री मनोज लीला भट्ट
कार्यालय प्रमुख मंथन, ए-161, सूरजमल विहार,
दिल्ली- 110092

Follow Us : @sjmorg_official @seemajagranmanch

ई-मेल- manthansjm@gmail.com
वेबसाइट : www.seemajagranmanch.org

कृपया मंथन कार्यक्रम से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए व अपने स्वयंसेवी संगठन के पंजीकरण के लिए उपरोक्त ई-मेल का प्रयोग करें।